

No. of Printed Pages : 4

**MES-012**

## **MASTER OF ARTS (EDUCATION)**

**Term-End Examination**

**MES-012 : Education: Nature and Purposes**

*Time : 3 Hours*

*[Maximum Weightage : 70%*

---

**Note:** All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.

---

1. Answer the following questions in about 600 words.

"Education is a process of promoting desirable behaviours and extinction of undesirable behaviours". Explain.

**OR**

Discuss the theory of knowledge in medieval (Islamic) times. What is its impact on the present Indian education system?

2. Answer the following questions in about 600 words.

Describe the aims of education as propounded by the philosophy of 'Sankhya Yoga', based on the 'cosmic development principle'.

**OR**

Describe the basic philosophical considerations that have implications for curriculum development.

3. Answer any four of the following questions in about 150 words each:

- (a) Explain the evolution of progressive ideology in education.
- (b) Differentiate between basic discipline and applied discipline. Give examples.
- (c) Briefly describe the theories of knowledge.
- (d) Distinguish between the doctrines of 'momentariness' and 'causation' according to Buddhism.
- (e) Discuss the influence of emerging societal trends on curriculum.
- (f) Explain the concepts of 'enculturations' and 'acculturation' in the process of education.

4. Answer the following question in about 600 words.

Discuss the 'Aims of Education' during the post-independence period in India as envisioned in different commissions and policy frameworks.

शिक्षा में परास्नातक

सत्रांत परीक्षा

एम.ई.एस.-012 : शिक्षा: प्रकृति एवं प्रयोजन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता: 70%

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है?

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

“शिक्षा वांछित व्यवहारों के प्रोत्साहन तथा अनवांछित व्यवहारों के उन्मूलन की प्रक्रिया है।” व्याख्या कीजिए।

अथवा

मध्यकाल (इस्लामी) में ज्ञान के सिद्धान्त की चर्चा कीजिए।  
वर्तमान भारतीय शिक्षा प्रणाली पर इसका क्या प्रभाव है?

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

‘ब्रह्माण्ड सम्बन्धी विकास सिद्धान्त पर आधारित ‘सांख्य योग’ दर्शन द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के लक्ष्यों का वर्णन कीजिए।

अथवा

पाठ्यचर्या विकास हेतु निहितार्थों से सम्बन्धित मूलभूत दार्शनिक विचारों का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों उत्तर दीजिए प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो।

(a) शिक्षा में प्रगतिशील विचारधारा के उद्भव की व्याख्या कीजिए।

(b) मूलभूत शास्त्र एवं अनुप्रयुक्त शास्त्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए। उदाहरण दीजिए।

(c) ज्ञान के सिद्धान्तों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(d) बौद्ध के अनुसार 'क्षणिकवाद' एवं 'कारणवाद' के सिद्धान्तों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(e) पाठ्यचर्या पर उदीयमान सामाजिक प्रवृत्तियों के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

(f) शिक्षा की प्रक्रिया में 'संस्कृतिकरण' तथा 'संस्कृतिग्रहण' की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

भारत में स्वतंत्रता पश्चात् विभिन्न आयोगों एवं नीतिगत ढाँचों में निहित शिक्षा के लक्ष्यों की चर्चा कीजिए।